Note : Start Writing from this page itself

दिनांक-
21/05/2020

हिन्दी- शिक्षण बी०एड० प्रथम वर्ष - 2019-2021

डा० दिनेश सिंह यादव - (असि०प्रोफेसर- बी०एड० संकाय) (1)

वाक्य संरचना अथवा वाक्य विज्ञान

वाक्य संरचना को वाक्य विन्यास भी कहा जाता है। इसके अन्तर्गत वाक्य के स्वरुप को विकसित करने की प्रक्रिया का अध्ययन किया जाता है। "वाक्य पदों या शब्दों के समूह की उस इकाई को कहते हैं, जो व्याकरण की दृष्टि से शुद्ध तथा पूर्ण हो तथा वाक्य में क्रिया अवश्य हो। वाक्य को लघुत्तम पूर्ण कथन भी कहा जाता है।"

भोलानाथ तिवारी के अनुसार- " अर्थमान ध्वनि समुदाय जो पूर्ण कथन अथवा भाव की तुलना में अपूर्ण होते हुए भी अपने में पूर्ण हो तथा जिसमें परोक्ष या अपरोक्ष रूप में क्रिया का भाव हो वाक्य कहलाता है।"

प्रत्येक वाक्य के दो पक्ष-भाव एवं अर्थ होते हैं। वाक्य के अर्थ एवं भाव में सामंजस्य होना चाहिए। तभी वाक्य अर्थपूर्ण तथा भावपूर्ण होता है। शिक्षक तथा वक्ता अपने शाब्दिक सम्प्रेषण में वाक्य के माध्यम का प्रयोग करता है। व्यक्ति अपने चिन्तन में भी वाक्य का ही सहारा लेता है।

Scanned with CamScanner

आधुनिक भाषा-विज्ञान की यह मान्यता है कि वाक्य भाषा की मुख्य इकाई है। शब्द कोश में शब्दों का अर्थ होता है, परन्तु वाक्य के प्रयोग करने पर भाव प्रकट करता है। वाक्य का प्रयोग लिखने तथा बोलने दोनों में किया जाता है। इस प्रकार भाषा का स्वरूप वाक्यात्मक और वाक्य शब्दात्मक होते हैं। शब्द ध्वनियों से और ध्वनि संकेतों का तात्पर्य वर्णमाला (स्वर तथा व्यंजनों) से है।

वाक्य-विज्ञान की परिभाषा राबर्ट लार्डो के अनुसार "एक भाषा में शब्दों का वाक्य या वाक्य खण्डों में निश्चित स्थान पर आने के विविध प्रतिमानों का अध्ययन किया जाता है। वाक्य विज्ञान में भावशास्त्री इन शब्दों या पदों की व्यवस्था के प्रतिमानों के विविध वाक्य अथवा वाक्य खंडों में तथा सभी शब्दों में ~~परस्परिक~~ पारस्परिक सबंधों का वर्णन करता है। यह प्रक्रिया वाक्य-विज्ञान का क्षेत्र है कि इस वाक्य के शब्द क्रम ~~सूचक~~ प्रश्न सूचक है। क्या यह एक पुस्तक है? इसके विपरीत वाक्य का शब्द क्रम सामान्य वाक्य सूचक है - यह एक पुस्तक है।"

वाक्य-विज्ञान के प्रकार

वाक्य-विज्ञान का अध्ययन तीन प्रकार से किया जाता है:—

(1) ऐतिहासिक वाक्य-विज्ञान (2) वर्णनात्मक वाक्य-विज्ञान (3) तुलनात्मक वाक्य-विज्ञान

(1) ऐतिहासिक वाक्य-विज्ञान

इस वाक्य-विज्ञान में एक भाषा के वाक्य संरचना का अध्ययन विभिन्न कालों में किया जाता है। जिससे वाक्य

Scanned with CamScanner

संरचना के विकास क्रम एंव परिवर्तन का ज्ञान होता है।

(2) वर्णनात्मक वाक्य-विज्ञान :-

इस वाक्य विज्ञान में एक भाषा के संरचना का अध्ययन वर्तमान अथवा प्रचलित वाक्य- संरचना का अध्ययन किया जाता है। शिक्षक को इसका ज्ञान होना अधिक आवश्यक होता है।

(3) तुलनात्मक वाक्य-विज्ञान :-

इसमें दो या दो से अधिक भाषाओं के वाक्य-संरचना की तुलना की जाती है। जैसे हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के शिक्षण में अनुवाद विधि को अपनाते हैं। हिन्दी के वाक्य में शब्दों का क्रम-कर्ता, कर्म तथा क्रिया होता है, जबकि अंग्रेजी के वाक्य संरचना में शब्दों का क्रम-कर्ता, क्रिया तथा कर्म होता है।

वाक्य की विशेषताएं :-

वाक्य की विशेषताएं निम्न हैं:-

(1) वाक्य में एक से अधिक शब्द (पद) होते हैं।
(2) वाक्य में शब्दों को एक क्रम में रखा जाता है।
(3) वाक्य व्याकरण की दृष्टि से पूर्ण होता है।
(4) वाक्य अर्थ तथा भाव की दृष्टि पूर्णता हो भी सकती है, परन्तु अर्थ की दृष्टि से पूर्ण होता है।
(5) वाक्य में एक क्रिया अवश्य होती है।

वाक्य संरचना शिक्षण :-

वाक्य रचना शिक्षण के अन्तर्गत मुख्य तीन प्रक्रियाएँ होती है। इन्हे पढ़ाते समय समुचित उदाहरण

Scanned with CamScanner

देने चाहिए।
① वाक्य में प्रयुक्त शब्दों का अर्थ समझना, इसे अर्थ तत्व कहते हैं।
(2) वाक्य में प्रयुक्त शब्दों का सम्बन्ध स्पष्ट करना, इसे सम्बन्ध-तत्व कहते हैं।
(3) शुद्ध वाक्य रचना का अभ्यास तथा अशुद्धियों को सुधार करना।

वाक्य की आवश्यकताएँ

एक उत्तम वाक्य के पाँच बातों का होना अतिआवश्यक है:-

(1) सार्थकता:- वाक्य में प्रयुक्त किये गए शब्द सार्थक होने चाहिए।

(2) योग्यता:- वाक्य में निहित शब्दों में परस्पर संगति की समता होना अति आवश्यक है। जिससे अर्थ के साथ भाव भी प्रकट हो सके।

(3) समीपता:- वाक्य के शब्द समीप होने चाहिए। जिन शब्दों में परस्पर सबंध हो उन्हे समीप रखा जाए।

(4) आकांक्षा:- वाक्य का स्वरूप इस प्रकार का हो जिससे पढ़ने वाले या सुनने वाले की जिज्ञासा की पूर्ति हो सके।

(5) अन्विति:- वाक्य के शब्दों में व्याकरण की दृष्टि से एकरूपता होनी चाहिए। हिन्दी में क्रिया प्रायः लिंग, वचन,

Scanned with CamScanner

पुरुष में कर्ता के अनुरूप होती है। जैसे - सीता खाना खाती है, राम खाना खाता है।

वाक्य विन्यास की दृष्टि से वाक्य में अनेक प्रकार की अशुद्धियाँ होती हैं। वाक्य में पुरुष, कर्ता, लिंग, क्रिया, विभक्तियों, वाक्य संरचना, निरर्थक शब्दों का प्रयोग वाक्य के अर्थ एवं भाव में एकरूपता का न होना आदि है।

डा० दिनेश सिंह यादव (असि० प्रोफेसर बी०एड० संगम)

पेपर - हिन्दी-शिक्षण
बी०एड० प्रथम वर्ष - 2019-2021
दिनांक = 21/08/2020

Scanned with CamScanner